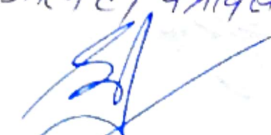


17 03 2021

पत्रावली पेश हुई उक्त पक्ष उपस्थित ;
 दोनों पक्षों की बहस सुनी गई। पत्रावली में उपलब्ध
 दस्तावेजों एवं साक्ष्यों का अवलोकन किया गया।
 प्रतिवादी श्रमिधारी तहसीलदार रावतभाटा की रिपोर्ट पर
 गौर किया गया जिसमें यह तथ्य स्पष्ट उल्लिखित किया
 गया है कि आम कुंआरेवा के खाता सं. 108 में खासा
 सं. 464 रुबा 1.08 एवं श्रमि आजाद पिता गफ्फर मोहम्मद
 के नाम रजिस्ट्रार-खातेदारी एक से दस रजिस्ट्री सिन्डु
 में ही पर कब्जा गरी होने से गरीब श्र-प्रबन्ध में खाता
 गिरान्त किया गया। गत खासा सं. 463 पर शर्फी
 खाते का कब्जा सिद्ध करने में असफल रहा है।
 वादी द्वारा खासा सं. 463 में श्रमि आवंटन की कार्य
 आवंटन अधिसूचना प्रस्तुत गरी कर सका। वर्तमान खासे
 316 जो गत खासा सं. 463 से बना है वर्तमान में
 खिलाफ दस रजिस्ट्री है शर्फी द्वारा खिलाफ श्रमि को
 अल्प काली मिहदुलाल पिता पन्नालाल के लीज
 पर देना बताया है जो विधी विकट है। गत खासा
 सं. 463 शर्फी एवं उनके पिता गज कमीची के
 रजिस्ट्री गरी रहा है जिससे खासा सं. 463 में श्रमि आवंटन
 होना सिद्ध गरी हीरा है।

वर्तमान कब्जाशुदा श्रमि के खासा गवरी का खिलाफ
 सीट के अनुसार गत श्र-प्रबन्ध के खासा गवरी से
 खिलाफ कही लीना पाया गया।

तहसीलदार रावतभाटा की रिपोर्ट एवं वाद पत्र में प्रस्तुत
 दस्तावेजों के आधार श्रमिधारी तहसीलदार रावतभाटा का
 कृपण उपमुक्त प्रतिब होला है अतः वादी का शर्फी पर
 दस रजिस्ट्री स्तर पर खरीज किया जाता है पत्रावली में लल शुभार
 होकर गवरी के कम हो।


 SD.O.